



DECEMBER 2024

E-GYAN

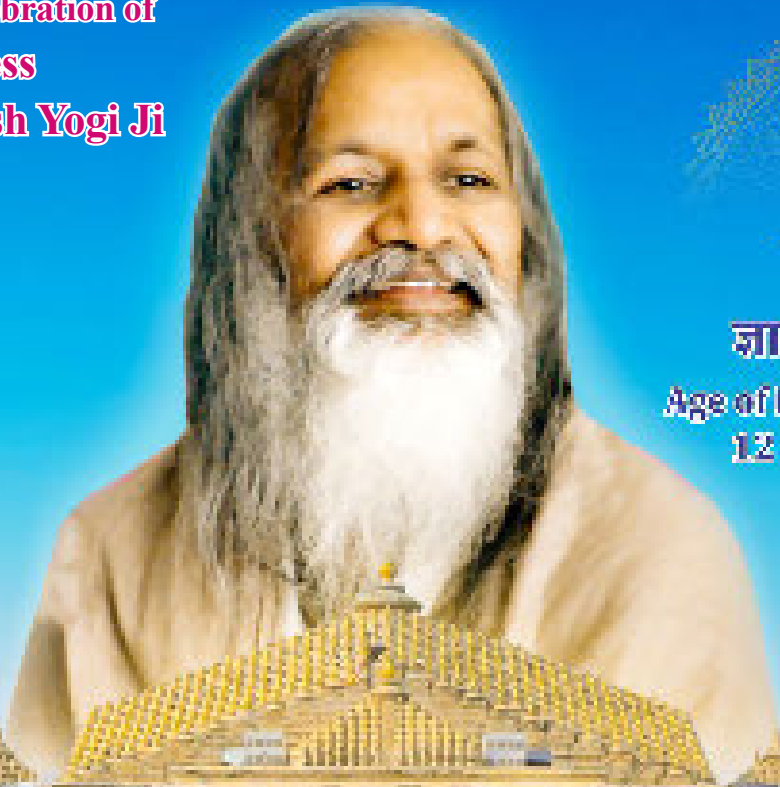
Monthly Newsletter of Maharishi Organisation – India

महर्षि संस्थान भारत का मासिक सूचना पत्र

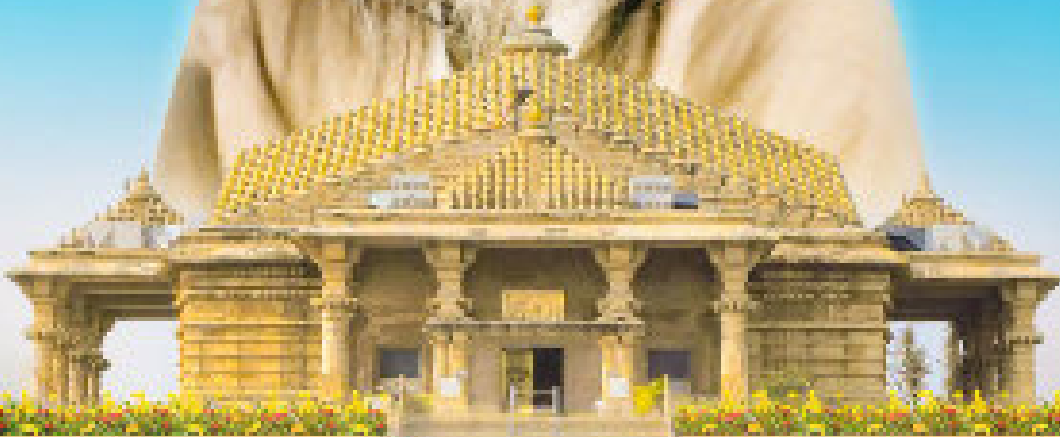
अंक - एक सौ सतासी Volume - 187

Website : www.e-gyaan.net

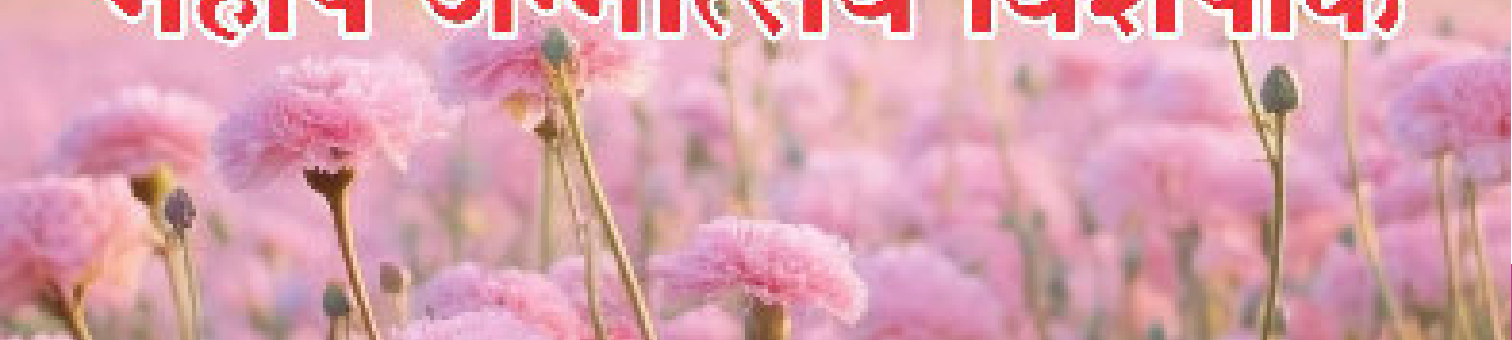
**108th Birth Day Celebration of
His Holiness
Maharishi Mahesh Yogi Ji**



ज्ञान युग दिवस
Age of Enlightenment Day
12 January 2025



महर्षि जन्मोत्सव विशेषांक



"Inauguration of the Age of Enlightenment"



His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji

"Inauguration of the Age of Enlightenment"

His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji inaugurated The Dawn of the Age of Enlightenment on 12 January 1975. In his inaugural speech on board the flagship Gotthard on lake Lucerne, Switzerland, Maharishi Ji said "It is through the window of science that we see The Dawn of the Age of Enlightenment".

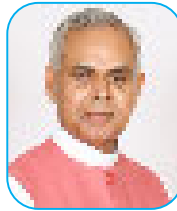
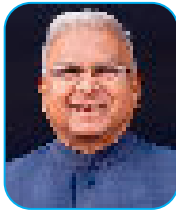
Maharishi Ji embarked on global tour to inaugurate The Dawn of the Age of Enlightenment on all five continents — for Asia in India, New Delhi, Vigyan Bhawan Hall; for Europe in England, London, Royal Albert Hall; for North America in Canada, Ottawa, Chateau Laurier; for South America in Argentina, Buenos Aires, Cultural Centre of San Martin; and for Africa, in Ivory Coast, Abidjan, Palais Des Congress Houphouet Boigny.

Messages from following Hon'ble dignitaries were received for Annual Gyan 2025

The message of good wishes and blessings were received for Gyan-2025 from following Hon'ble dignitaries from various States of the India :

(A) From His/Her Excellencies Governors –

1. Shri Mangu Bhai Patel, His Excellency Governor of Madhya Pradesh.
2. Shri Acharya Devvrat, His Excellency Governor of Gujarat.
3. Smt. Anandiben Patel, Her Excellency Governor of Uttar Pradesh.
4. Shri Haribhau Bagade His Excellency Governor of Rajasthan.
5. Shri Arif Mohammed Khan, His Excellency Governor of Kerala.
6. Shri Raghubar Das, His Excellency Governor of Odisha.
7. Shri La. Ganesan, His Excellency Governor of Nagaland.
8. Admiral D. K. Joshi, His Excellency Lt. Governor of Andaman & Nicobar Islands.



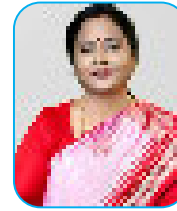
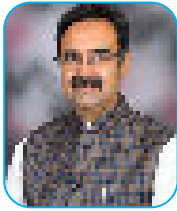
(B) From Hon'ble Chief Ministers –

1. Shri Sukhvinder Singh Sukhu, Hon'ble Chief Minister of Himachal Pradesh.
2. Shri Pushkar Singh Dhami, Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand.
3. Shri Mohan Charan Majhi, Hon'ble Chief Minister of Odisha
4. Shri Conrad K. Sangma, Hon'ble Chief Minister of Meghalaya.



(C) From Hon'ble Speakers Legislative Assemblies –

1. Shri Vasudev Devnani, Hon'ble Speaker of Legislative Assembly Rajasthan.
2. Shri Harvinder Kalyan, Hon'ble Speaker of Legislative Assembly Haryana.
3. Shri A. N. Shamseer, Hon'ble Speaker of Legislative Assembly Kerala.
4. Shri Th. Satyabrata Singh, Hon'ble Speaker of Legislative Assembly Manipur.
5. Smt. Surama Padhy, Hon'ble Speaker of Legislative Assembly Odisha.
6. Shri Nand Kishore Yadav, Hon'ble Speaker of Legislative Assembly Bihar.



(D) From Hon'ble Ministers of different states –

1. Shri Nityananda Gond, Hon'ble Education Minister Government of Odisha.
2. Shri Rakkam A. Sangma, Hon'ble Education Minister Government of Meghalaya.
3. Shri Pasang Dorjee Sona, Hon'ble Education Minister Government of Arunachal Pradesh.



(E) From Other Dignitaries –

1. Raja Harris Kaplan, Raja of Invincible India, Maharishi Global Country of World Peace.
2. Dr. Prakash Joshi, Vice-President, Maharishi Shiksha Sansthan.
3. Prof. Pramod Kumar Verma, Vice-Chancellor, Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, Jabalpur.
4. Prof. (Dr.) TPS Kandra, Vice-Chancellor, Maharishi University of Management & Technology.



The Board of Directors of MVM Schools Group led by Hon'ble Chairman Brahmachari Girish Ji expresses its heartfelt gratitude to all the above dignitaries for having encouraged all of us to complete the mammoth task of not only publishing the Annual Gyan–2025 but also successfully organising the Maharishi Ji's 108th Birth Day Celebrations– Age of Enlightenment Day across the country.

Jai Guru Dev, Jai Maharishi Ji

व्यवहार में ज्ञान का समावेश अति आवश्यक है

ब्रह्मचारी गिरीश जी
अध्यक्ष, महर्षि विद्या मन्दिर विद्यालय समूह



एक बार महर्षि नारद ज्ञान का प्रचार करते हुए किसी सघन वन में पहुँचे। वहाँ उन्होंने एक घनी छाया वाला सेमल का पेड़ देखा। नारदजी को उस पेड़ के वैभव ने प्रभावित किया। उन्होंने पूछा, 'वृक्ष राज तुम्हारा आकर्षक वैभव कैसे बना हुआ है? पवन तुम्हें गिराती क्यों नहीं?' वृक्ष ने हर्षित हुए कहा, 'प्रभु, पवन का सामर्थ्य नहीं कि वह मुझे गिरा सके।' नारदजी को लगा कि सेमल, घमंड में ऐसा कह रहा है। वह पवन के पास गए और कहा, 'अमुक वृक्ष घमंड में है, आपकी निंदा करता है। उसका घमंड दूर करना चाहिए।' पवन को क्रोध आया। वह उस वृक्ष को उखाड़ फेंकने के लिए बड़े प्रबल प्रवाह के साथ चल दिए। सेमल वृक्ष ज्ञानी था, उसने भावी संकट को समझा। अपने सारे पत्ते झाड़ कर टूट के समान खड़ा हो गया। पवन आया उसने बहुत प्रयत्न किया पर पेड़ का कुछ न बिगड़ा। कुछ समय बाद नारदजी को आश्चर्य हुआ कि वृक्ष ज्यों का त्यों हरा-भरा खड़ा है। उन्होंने सेमल से पूछा, 'पवन की शक्ति के सामने कैसे स्थिर हो, इसका क्या रहस्य है?' वृक्ष ने नम्रतापूर्वक कहा, 'मेरे पास वैभव है, पर मैं इसके मोह में बँधा नहीं हूँ। यात्रियों को छाया देता हूँ, पर जब आवश्यक समझता हूँ, इस सारे वैभव को बिना किसी हिचकिचाहट के त्याग देता हूँ और टूट बन जाता हूँ। उसी निर्लिप्त कर्मयोग के कारण मैं पवन के प्रचंड प्रहार को सहता हुआ भी स्थिर हूँ। वैभव रखना, कोई बुरी बात नहीं है। बुराई उससे मोह करने में है।' अतः जब हम निरंतर कुछ नवीन करने का प्रयास करते हैं, अपने अस्तित्व से बाहर निकल एक नए दृष्टिकोण से स्वयं को देखते हैं, अपने संबंधों को श्रेष्ठ बनाने का प्रयास करते हैं या कोई अनुचित व्यवहार छोड़ते हैं, तब हम अपने दृष्टिकोण में परिवर्तन लाकर एक नवीन रूप में स्वयं को देखने लगते हैं। आत्मविकास के लिए स्वयं के आत्मविश्लेषण में सत्य के आधार पर दृष्टिकोण को परिवर्तित करें और सोच को बड़ा बनाने हेतु आवश्यक प्रयास करें। उदाहरण के लिए जब आप अधिक सचेत, जागरूक हैं, अपने कार्य को लेकर अनुशासित रहते हुए स्वयं तथा दूसरों के प्रति सहानुभूति का भाव रखने लगते हैं, तो वास्तव में यह आपका एक नवीन रूप होता है। यह आपके पुराने स्वयं को विस्तार देकर एक नवीन स्वयं को देखने का माध्यम बन जाता है। किंतु दुर्भाग्यवश हमारी पुरानी धारणा हमें निरंतर उसी रूढ़िग्रस्त मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। अपने जीवन में बिना मंथन किए कुछ भी करने का आपका प्राचीन व्यवहार आपको निरंतर उसी मार्ग पर पुनः खींचने का प्रयास करता है। आपकी पुरानी जीवनशैली उन्हीं बँधनों में आपको बाँधकर रखना चाहती है। इसलिए किसी भी परिवर्तन से

भयभीत करती है। यह भय आपको जीवन में संतुलन स्थापित करने से रोकता है। आपका कार्य टालने का व्यवहार आपको अनुशासन और नियम से चलने नहीं देता है। परिणामस्वरूप आप हर उस कार्य से बचना चाहते हैं जो कठिन है। “कुछ नया करें” करने से पहले आपका पुराना सुखदायक क्षेत्र (Comfort Zone) स्वयं किसी भी नई स्थिति को लेकर आपको हतोत्साहित करता है और ऐसी दृष्टि उत्पन्न करने लगता है, जिससे कुछ भी नया करने में आपको असहजता अनुभव हो और आश्चर्य लगे। आपका पुराना स्वयं बार-बार आपको समझाएगा कि मात्र एक और बार कुछ गलत कर लेने से कोई हानि नहीं होगी। आपको उस व्यवहार में लिप्त रखने के लिए वह यह भी कहेगा कि उस व्यवहार को छोड़ने के लिए आपको विचलित होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपके लिए वही सही है। अनेक प्रकार से हमारा पुराना व्यवहार और पहचान हमें आगे बढ़ने से रोकती है। पर इनसे आगे कैसे निकला जा सकता है? कल्पना करें कि आप अपनी पूर्ण अभिसा (पहचान) तक सीमित नहीं हैं। अब सोचिए कि ऐसा न होने पर आप क्या बनना चाहते हैं? आप ऐसा कौन-सा कार्य करना चाहते हैं, जो वैसे असंभव लगता है? यह कोई छोटा-सा कार्य भी हो सकता है (मैं सुबह थोड़ा शीघ्र उठना चाहता हूँ) या यह कोई बहुत बड़ा परिवर्तन भी हो सकता है (मैं अपने रचनात्मक कार्य को साहस के साथ विश्व के सामने प्रस्तुत करना चाहता हूँ)। जब भी आप अपने पुराने मार्ग से बाहर निकलने का प्रयास करेंगे, आपका पूर्व आचरण आपको पीछे खींचने का प्रत्येक संभव प्रयत्न करेगा। यदि आप सार्वजनिक सभा में बोलना चाहते हैं, तो आपका मस्तिष्क ऐसा न करने के ढेरों कारण आपके सामने रखने लगेगा। वास्तव में यह कुछ नया करने का भय है, जो प्रतिरोध, भय और अत्यधिक भार की ऐसी अनुभूति, जो शरीर में अनुभव होती है, पर यह विचारों की कड़ी भी है, जो कहती है कि (इस कार्य को एक बार छोड़ देने में कोई बाधा नहीं है) या (ऐसे कार्यों से स्वयं को विचलित करने की कोई आवश्यकता नहीं है)। किंतु आप मात्र इन समस्त विचारों के प्रति जिज्ञासा जगाते हुए इन्हें अनुभव करें। आपकी पूर्व पहचान पर ही आपका अन्तर्मन, अंतर्मुखी होना चाहता है, पर जब आप अपरिचित लोगों से मुखर होकर बात करते हैं, तो आपका पूर्व स्वयं इसके सामने टिक नहीं पाएगा। इसलिए समय-समय पर कुछ नवीन करने के लिए प्रतिबद्धता दिखाएँ। कुछ अलग अनुभव करना अच्छा है और इससे सोच को विस्तार मिलता है। संभव है प्रारंभ में आपकी पुरानी सोच आपको पुनः उसी मार्ग पर खींचने का प्रयास करे, किंतु आप फिर भी आगे बढ़ने का प्रयास करें। ऐसा करते समय अपने अंतर्मन को खोलने का भी प्रयास करें। जैसे हो सकता है आप काम करते समय अधिक आनंद का अनुभव करना चाहते हों, तो उस आनंद का अभ्यास करें। जब आप इन सभी बातों पर ध्यान देना प्रारंभ कर देंगे तो समझ आने लगेगा कि यह मात्र भय का आपके ऊपर हावी होने का प्रयास है। आप मात्र अपने भय से थोड़ी सहानुभूति रखें और गहरी श्वास लें। अपनी सोच और अपने विचारों को समझें और स्वयं से प्रेमपूर्वक व्यवहार करें। नियमित रूप से प्रातः एवं संध्या को 15 से 20 मिनट का भावातीत ध्यान-योग का प्रतिदिन अभ्यास करें। आप पाएँगे कि छोटा सा प्रयास आपके दृष्टिकोण को बदल देगा जो आपके आनंद के मार्ग को प्रशस्त करेगा, क्योंकि जीवन आनंद है।

जय गुरुदेव, जय महर्षि



Invincible Defence Technology: A Brain-Based Solution for Militaries to Create Lasting Peace

By MajGen (R) Kulwant Singh, Col (R) SP Bakshi, Col (R) Jitendra Jung Karki, Lt. Col (R) Gunter Chassé & Dr David Leffler



In today's turbulent world, achieving lasting peace and ensuring national security are more urgent than ever. Traditional defence methods focus on advanced weapons, military strategies, and tactics, but a groundbreaking approach offers a new non-violent and holistic solution: Maharishi's Invincible Defence Technology (IDT). This brain-based technology taps into human consciousness to reduce societal stress, leading to harmony within as well as between nations. This method has demonstrated remarkable success in various global settings, offering Defence forces an unprecedented tool to safeguard their countries.

What is Maharishi's Invincible Defence Technology (IDT)?

Maharishi's Invincible Defence Technology (IDT) lives up to its name. "Invincible" means undefeatable and unconquerable; "Defence" refers to protection and safeguarding; and "technology" is applied scientific knowledge. IDT's primary goal is to prevent enemies from emerging in the

first place. When properly implemented, a military using IDT becomes truly invincible—not because of superior military prowess or weaponry, but because potential adversaries simply don't arise. Its effective application ultimately results in a world without war, terrorism, or crime, ensuring full security and fostering peaceful, happy, and productive lives for all.

IDT is rooted in the Vedic knowledge of ancient India revived by Maharishi Mahesh Yogi, the founder of the Transcendental Meditation® (TM®) program. It involves large groups practicing TM and its advanced technique, the TM-Sidhi® program, together. This creates a powerful influence of coherence and positivity in society, reducing crime, social conflict, and even armed violence. The process is simple: when individuals engage in these practices collectively, their coherent brain activity creates positive, coherent effects in the entire population by enlivening an underlying "field-effect of consciousness." This phenomenon is referred to as the "Maharishi Effect."

How Does IDT Work?

IDT offers a scientifically-verified, non-violent path to national and global peace by defusing societal stress and replacing it with coherence and resilience. Scientific research shows that TM reduces stress, develops orderly brain functioning, and promotes mental clarity for the individual. However, when a group meditates together, their impact is amplified, creating a field of coherence in entire populations.

The collective coherence generated by such peace-creating groups has been shown to reduce negative tendencies in society, leading to fewer conflicts and greater stability. In essence, IDT prevents the buildup of societal stress—the root cause of

violence and unrest. IDT neutralizes negativity and promotes positivity and solutions, thus preventing the outbreak of violence.

Military application of IDT is accomplished by setting up special units called “Prevention Wings of the Military.” These Defence personnel practice TM and the advanced TM-Sidhi program in large groups twice daily as their primary duty.

The mechanism behind the Maharishi Effect is explained with the understanding that consciousness is a field, and that each human being contributes either positively or negatively to the global field of consciousness. EEG (electroencephalogram) research shows that TM practice reduces stress, enhances brainwave coherence, and improves resilience. Higher EEG alpha coherence and efficient brain functioning are correlated with TM practice, which fosters societal calmness. Refer to *the International Journal of Psychological Studies and International Journal of Neuroscience*.

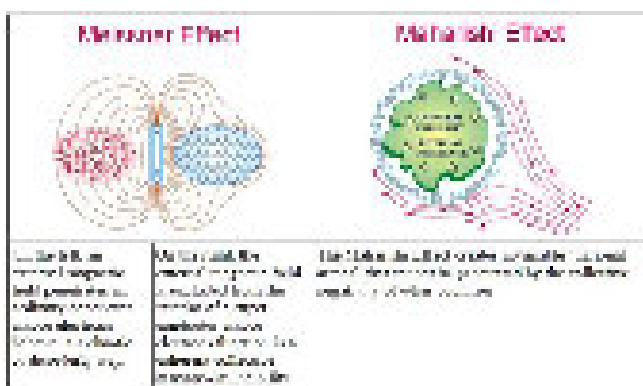
Several groups of military personnel and/or civilians of sufficient size practicing IDT can create permanent peace for the whole world. This finding has been demonstrated and recorded many times since 1974 when the Maharishi Effect was first discovered. In that year it was found that there were significant reductions in crime, violence, traffic accidents and hospital admissions in cities where at least 1% of the population had learned the TM technique. These 1% cities were matched with controls—towns of similar size and geographic location—where 1% of the population had not learned the TM technique. In those control cities, crime, violence, traffic accidents and hospital admissions continued to rise as they had in the past.

A *Journal of Social Behavior and Personality* study suggests a biological mechanism for IDT’s effects. It found that larger meditation groups correlated with increased serotonin (linked to well-being) and decreased cortisol (a stress hormone) within individuals in the surrounding community. These changes in non-meditators outside the group indicate a possible neurophysiological mechanism

behind the observed reductions in societal aggression and hostility.

IDT: Scientific Validation of Impact on Peace and Security

Extensive peer-reviewed studies validate IDT’s effectiveness likening its impact to the Meissner Effect in physics where coherence repels external disorder. This “Maharishi Effect” generates positive collective consciousness, neutralizing hostile intentions as evidenced by extensive peer-reviewed science.



For instance, in the hot summer of 1993 when the crime rate would be notoriously high, an intervention in Washington, D.C. demonstrated a 23.3% drop in crime during the experimental period. Predictions were pre-submitted, and results—shown to be independent of weather or trends—were published in *Social Indicators Research*.

A review in *Studies in Asian Social Science* confirmed similar outcomes in Cambodia, India, and the Philippines, reinforcing the findings of earlier research showing crime reduction linked to TM and TM-Sidhi group practice.

In the U.S., a study in the *World Journal of Social Science* found that stress indicators in society went down when large IDT groups meditated, and rose when the group size declined. It was shown that the effect was independent of any prevailing economic or political factors. These studies establish the need for a permanent professional group of IDT peacebuilders whose profession it is to maintain this input of orderliness perpetually without breaks. A *Journal of Social Behavior and Personality* study examined the impact of seven assemblies of TM

and TM-Sidhi program participants over a two-year period in Lebanon, Israel, Yugoslavia, the Netherlands, and the U.S. The findings showed a significant effect on the Lebanon war, including a 66% increase in cooperation among opposing groups, a 48% reduction in conflict, and a 68% decrease in war injuries.

Globally, the Journal of Offender Rehabilitation reported significant impacts from 1983 to 1985 when large IDT groups assembled: worldwide terrorism deaths fell by 72%, international conflict dropped 32%, and violence decreased globally.

Blueprint for Global Peace: A Prevention Wing of 10,000

Imagine a scenario where a Defence force implemented IDT by training 10,000 personnel in the TM and TM-Sidhi programs. This isn't just an idealistic vision; it's a practical strategy. Research indicates that when the size of the advanced meditation group reaches the square root of 1% of the population the positive effects become widespread. For a global population of approximately 8 billion, this critical mass is around 10,000 people.

A group of this size would create a global field of coherence, reduce tensions between nations, and foster a climate of peace. Defence forces, traditionally tasked with protecting national borders, would play a proactive role in preventing conflicts from arising in the first place. This approach aligns perfectly with the goals of ideal national security: protecting citizens and maintaining stability without encroaching on anyone's territory. Enmity is "nipped in the bud." No enemies can be born in an atmosphere of peace, positivity, and prosperity.

The Immediate Need for Global Peace

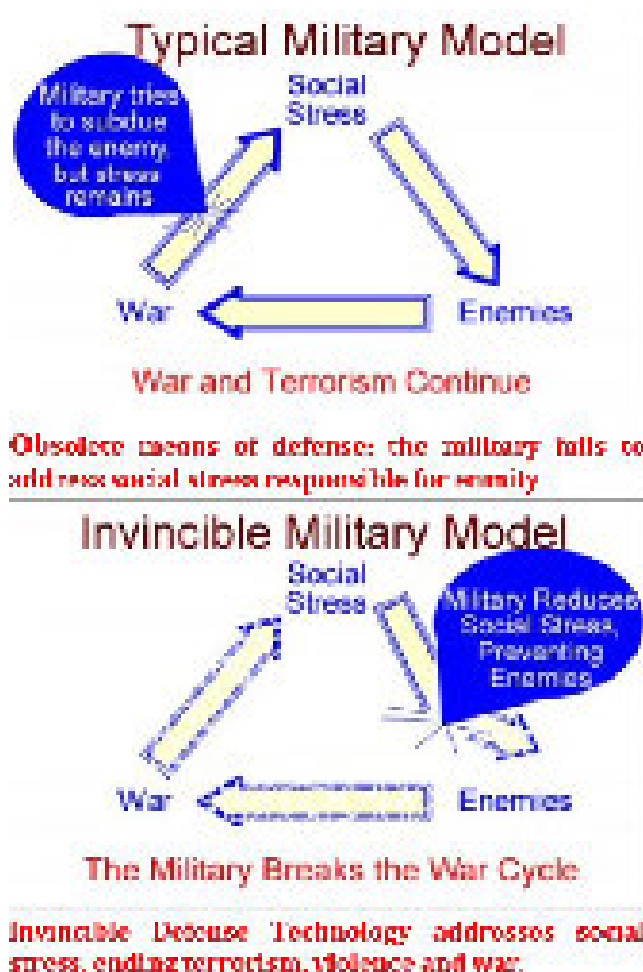
The world faces escalating challenges, from geopolitical tensions to domestic unrest, and global crises, like pollution affecting many large cities. Conventional Defence strategies, while necessary at the current time, are address surface symptoms rather than root causes. By reducing collective

stress, IDT offers a preventive solution. It doesn't require political agreements or cultural changes; it simply requires the commitment to train personnel in a proven, effective practice, and to continue to keep the group fully operational.

Implementing IDT is cost-effective, sustainable, and non-violent. It transforms Defence forces into peacebuilders, creating an environment where conflicts naturally dissolve. The benefits extend beyond national borders, fostering a global culture of peace.

IDT a Profound Revolution in Military Affairs (RMA)

IDT represents an RMA paradigm shift in how we approach national and global security. By harnessing the untapped power of collective consciousness through Transcendental Meditation, Defence forces can reduce societal stress, prevent conflicts, and create a lasting legacy of peace. With peer-reviewed research backing its efficacy and



real-world field-tests demonstrating its impact, IDT isn't just a theoretical concept, it's a practical, urgently needed solution for our dangerous times.

Realistically, creating a group of 10,000 advanced military meditators is more than a goal; it is a dire necessity. In a precarious world yearning for peace, IDT offers hope, science, and a clear path forward. Let's embrace this innovative approach and transform our Defence forces into champions of creating societal coherence and perpetual peace.

“Victory smiles upon those who anticipate the change in the character of war, not upon those who wait to adapt themselves after the changes occur.”

— General Giulio Douhet, *The Command of the Air*

“Ever since men first began to use weapons to fight each other, military men have been reproached for excessive conservatism, a polite term often intended to imply a dangerous class reluctance to accept new ideas.”

— Admiral William Sims, at US Naval War College 1921 Graduation

About the authors:



Maj. Gen. (Dr.) Kulwant Singh, UYSM, Retd. received his Ph.D. and M.Sc. in Defence Studies from Chennai University. He also has a postgraduate diploma in Human Resource Development from Indira Gandhi National Open University (IGNOU) in New Delhi. Dr. Singh has a postgraduate diploma in Management from the Regional College of Management and Technology (RCMT). He qualified for the prestigious Higher Command Course at College of Combat and is a graduate of the Defence Service Staff College. He fought in combat and led India's fight against India's intransigent terrorism problem for nearly 30 years. Maj. Gen. Singh was awarded the Uttam Yudh Sewa Medal, the second highest decoration for senior officers during operations in Sri Lanka as part of IPKF (Indian Peace Keeping Force). Today he leads an international group of generals and Defence experts that advocates Invincible Defence Technology.



Col. (Retd) S.P. Bakshi, M.A, M.Ed., has 28 years of distinguished commissioned service in the Indian Army. He has taken part in two wars with Pakistan (in 1965 and 1971). He served during the insurgency in the Northeastern state of Nagaland and in high-altitude areas in Sikkim facing the international border with China as an Intelligence and Field Security officer. After a decade of soldiering as an infantry officer, he switched over to the Army Education Corps. He is the former Director of the MVM group of Schools, Bhopal, MP. Col. Bakshi's coauthored article titled "Defence Personnel Worldwide Find Transcendental Meditation to be an Effective Tool in Combating Stress" was published in Defence and Security Alert Magazine.

Col. (Retd) Jitendra Jung Karki is the former commanding officer of the Shreenath Battalion in the armed forces of



Nepal. Later he served in UNDSS as safety and security professional. Karki lives in Budhanilkantha, Kathmandu. He joined the army of Nepal in April 1988. Col. Karki has a master's degree in Public Administration and is a graduate of the Nepalese Army Command and Staff College. He commanded a company and battalion in Nepal during the insurgency period from 2004-08. Karki participated in four UN missions. His latest article about IDT, "Vedic Invincible Defence in Security Risk Management," was recently published in Republica | The New York Times.



Lt. Col. (Ret.) Gunter Chassé – decorated with the Honorary Cross of the Bundeswehr in Gold – served in the German Air Force mainly in the Integrated NATO-Air Defence and alternately in command and staff positions, and also was employed in Home Defence with territorial tasks. He is the author of the pioneering IDT alternative white paper On the New Security and Defence Policy of the Federal Republic of Germany and the Future of the Bundeswehr: Indomitable Strength through a PREVENTION WING of the Military.



Dr. David Leffler has a Ph.D. in Consciousness-Based Military Defence and has served as an Associate of the Proteus Management Group at the Center for Strategic Leadership, US Army War College. Currently, he serves as the Executive Director at the Center for Advanced Military Science (CAMS) and lectures and writes worldwide about IDT. Dr. Leffler's editorial "Creating an Invincible Military" was featured in Fox News.

Madhya Pradesh Pratishtha Ratna Award 2024



Hon'ble Chairman, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, Brahmachari Girish Ji was decorated with the "Madhya Pradesh Pratishtha Ratna" award by Madhya Pradesh Press Club for his great contribution in the field of education and social work.

His Excellency the Governor of Madhya Pradesh, Shri Mangoo Bhai Patel conferred this award. Brahmachari Girish Ji was honoured with a shawl, shripthal, memento and appreciation certificate. Many eminent leaders from the field of education, film industry, politics, government, social work, media and defence forces were present.

Anant Shri Vibhushit Jyotishpeethadheeshwar Jagatguru Swami Vasudevanand Saraswati Ji Maharaj Shankaracharya, Badrika Ashram, Himalaya also blessed all the awardees on this occasion.





Maharishi Vidya Mandir Hyderabad Annual Sports, Cultural & Silver Jubilee Celebrations 7th December 2024

Celebrating the successful existence for 25 years is a great time for joy. Such time came when Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad, celebrated its Silver Jubilee Anniversary Celebrations on 7th December 2024, at the prestigious GMC Balayogi Athletic Stadium, Hyderabad.

The celebrations were inaugurated by Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman of MVM Schools Group. The function was attended by National Office officials Shri Yateesh Saxena, Shri Manish Sinha, Shri Ramdev Dubey, Smt. Arya Nandakumar and Shri Dheeraj Dwivedi.

Apart from the above National Office dignitaries, the Principals of MSE Chennai, MCE Bengaluru, MVM Tiruvannamalai, MVM Thanjavur & MVM Rajapalayam were also present on the occasion.



The program commenced with the lighting of the lamp by Brahmachari Girish Ji, along with

the Principal Smt. Vasanthi Parasuraman and representative of National Office, followed by Shri Guru Parampara Poojan.

Hon'ble Chairman MVM Schools Group Brahmachari Girish Ji, in his address highlighted the importance and benefits of regular practice of Transcendental Meditation, and explained how different and special Maharishi Vidya Mandir schools are, as compared to other educational institutions.

He informed the parents that 'he has taken up the task of taking forward various projects of His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji and in this regard, he exhorted the students to become global leaders to carry forward the knowledge provided to the world by Maharishi Ji.'

Brahmachari Girish Ji, welcomed the students of MVMs to take up this prestigious task and for this he said our Sansthan will support them by providing



scholarship for further studies at Maharishi Mahesh Yogi Vedic Vishwavidyalaya, besides free boarding and lodging and handsome pay package on completion of the course.

Smt. Vasanthy Parasuraman, Principal of MVM School Hyderabad, welcomed the dignitaries on the dais and presented a brief report about the growth and success of the school since its inception in the year 2000.

She highlighted how the school gives importance to practice of Transcendental Meditation and Yoga, and also dwelt in detail about the implementation of Maharishi Consciousness Based Education program in the school curriculum.

She stressed that by incorporating the above two important components in the school curriculum, the students of the school have gained all round development and there is no missing element in the teaching learning process. It was also emphasized that the students are groomed to attain greater heights in their carriers without much efforts by regular practice of TM and learning through the curriculum which incorporates the concepts of Maharishi Consciousness Based Education program.

As part of the grand celebrations, the school students participated in the various sports and cultural programs.

The parents were also informed that the National Education Policy 2020 and National Curriculum Framework brought out by the Govt. mirrors the Consciousness Based Education Program conceived by His Holiness Maharishi Mahesh Ji several years ago. Hence, the school could comfortably implement the various government policy guidelines related to the new curriculum.

She also thanked Hon'ble Chairman Brahmachari Dr. Girish Ji and all the Directors and Officials of National Office for giving her an opportunity to be associated with MVM Hyderabad since the inception of the school in the year 2000.

The celebrations proceeded further with release of colourful balloons and lighting of sports torch by the dignitaries, which was carried by the student cabinet members, achievers in various sports competitions



etc., to light the sports flame atop the stadium, followed by oath taking and march past by the students and NCC cadets of the school.

Brahmachari Girish Ji was also kind enough to felicitate the school toppers in the Board exams and achievers in various District/State and National Level sports competitions.

He also presented the prizes for the winners of the various sports events conducted during the day.

More than 3100 students from classes Nursery to XII participated in the various cultural, display and sports events.

An enthusiastic audience of nearly 8000 comprising parents and their family members, alumni of the school and invitees, thoroughly enjoyed the performances of the students.

The program concluded with vote of thanks and enthusiastic singing of National Anthem.







विश्व ध्यान दिवस 21 दिसम्बर 2024

21 दिसम्बर 2024 को प्रथम विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के राष्ट्रीय कार्यालय, भोपाल के सभागार में "विश्व ध्यान दिवस" मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक गुरु परंपरा पूजन से प्रारंभ हुआ। इसके पश्चात समस्त उपस्थितजनों ने भावातीत ध्यान का सामूहिक अभ्यास किया।



कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के माननीय अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने संयुक्त राष्ट्र संघ एवं समस्त सहयोगी देशों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि "यह सब भारतीय ऋषि, मुनियों और महर्षियों की दीर्घकालीन तपस्या का फल एवं भारत व अन्य राष्ट्रों की सामूहिक चेतना का सतोगुणी प्रभाव ही है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के पश्चात संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व ध्यान

दिवस को सार्वजनिक रूप से मनाने की घोषणा की गई है। ध्यान की सहज, सरल एवं उन्नत अवस्था 'भावातीत ध्यान' जो परम पूज्य महर्षि महेश योगी जी द्वारा प्रणीत है, के प्रातः एवं संध्या 15 से 20 मिनट नियमित अभ्यास से मनुष्य को अत्यधिक शारीरिक एवं मानसिक लाभ प्राप्त होते हैं, नकारात्मकता का शमन होता है एवं सकारात्मकता में वृद्धि होती है। महर्षि विद्या मंदिर विद्यालयों और अन्य महर्षि संस्थानों के कई लाख छात्र-छात्राएँ, कार्यकर्ता एवं उनके परिवारजन भावातीत ध्यान का नियमित अभ्यास कर रहे हैं। भावातीत ध्यान की यह पद्धति 700 से अधिक वैज्ञानिक शोधों द्वारा प्रमाणित हो चुकी है इसलिए आप सभी लोग प्रतिदिन प्रातः व संध्या के समय नियमित रूप से 'भावातीत ध्यान' का अभ्यास अवश्य करें।"





यह सहज, सरल, स्वाभाविक, प्राकृतिक, प्रयासहीन एवं वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित पद्धति है।" उनका कहना था कि संयुक्त राष्ट्र संघ के लोगों का ध्यान सतोगुण की वृद्धि के कारण ध्यान पर गया है।

महर्षि विश्व शांति आंदोलन के राष्ट्रीय महासचिव श्री व्ही. आर. खरे जी ने सम्पूर्ण विश्व परिवार को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि अब बड़ी संख्या में विश्व के नागरिक ध्यान करेंगे और शीघ्र ही विश्व शांति का संकल्प पूर्ण होगा।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में महर्षि संस्थान के निदेशकगण, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण रामराज टी.वी. एवं उसके यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक एकाउंट पर किया गया।

जय गुरुदेव, जय महर्षि जी

ब्रह्मचारी जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "जैसे-जैसे सत्व बढ़ता है वैसे-वैसे संकल्प सिद्धि और कार्यों की पूर्णता होती है। इसके बाद हमें अपेक्षित परिणाम मिलने लगते हैं। यह बात बहुत ही महत्वपूर्ण है। सर्वप्रथम चेतना की शुद्धि होती है और उस शुद्धि का जो विस्तार होता है उसे बाहरी वातावरण की शुद्धि होती है, जिससे सामूहिक चेतना में सतोगुण की वृद्धि होने लगती है।"

इस अवसर पर महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलगुरु प्रोफेसर भुवनेश शर्मा ने कहा कि "सबसे पहले सभी का ध्यान योग पर गया इसके पश्चात ध्यान का दिन घोषित किया गया। हम सभी को भावातीत ध्यान का नियमित अभ्यास करना चाहिये। विश्व में जितनी भी योग की पद्धतियां हैं उसमें भावातीत ध्यान की पद्धति सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि

वर्ष	मूल्य	आपूर्ति	कुल मूल्य	बैंक खाता संख्या
1 वर्ष	₹ 1000	₹ 1000	₹ 1000	

World Meditation Day Celebration at Various Maharishi Vidya Mandir Schools



Maharishi Vidya Mandir, Sitapur



Maharishi Vidya Mandir, Sitapur



Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj



Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj



Maharishi Vidya Mandir-IV, Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir-IV, Jabalpur



Maharishi Vidya Mandir, Badaun



Maharishi Vidya Mandir, Badaun



MVM, Jabalpur, Vijay Nagar



MVM, Jabalpur, Vijay Nagar



Maharishi Vidya Mandir, Chhatarpur



Maharishi Vidya Mandir, Chhatarpur



Maharishi Vidya Mandir, Jammu



Maharishi Vidya Mandir, Jammu



Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai



Maharishi Vidya Mandir, Tiruvannamalai



Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara



Maharishi Vidya Mandir, Chhindwara



Maharishi Vidya Mandir, Satna



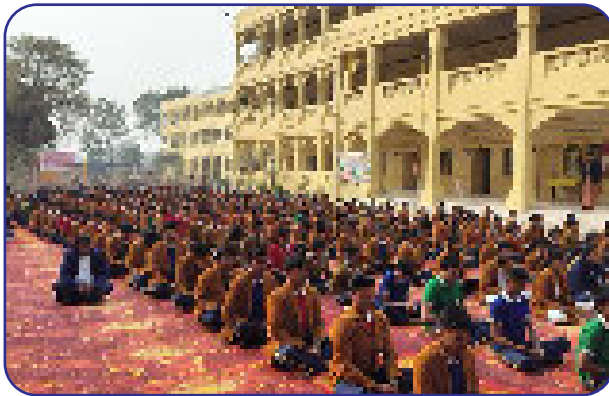
Maharishi Vidya Mandir, Satna



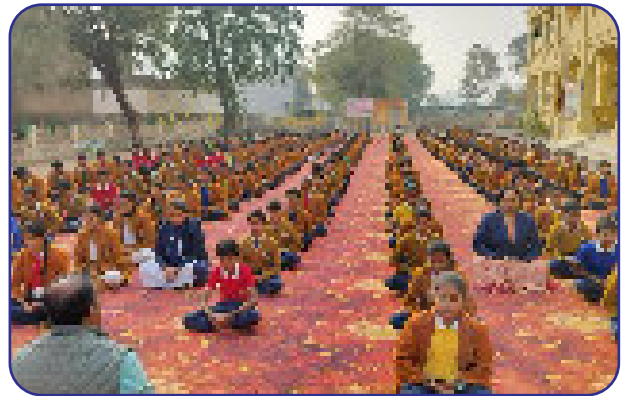
Maharishi Vidya Mandir, Durg



Maharishi Vidya Mandir, Durg



Maharishi Vidya Mandir, Maihar



Maharishi Vidya Mandir, Maihar



Maharishi Vidya Mandir, Yavatmal



Maharishi Vidya Mandir, Yavatmal



Maharishi Vidya Mandir, Bhandara



Maharishi Vidya Mandir, Bhandara



Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur



Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur



Maharishi Vidya Mandir, Chapara



Maharishi Vidya Mandir, Chapara



Maharishi Vidya Mandir, Hisar



Maharishi Vidya Mandir, Hisar



Maharishi Vidya Mandir, Raigada



Maharishi Vidya Mandir, Raigada



Maharishi Vidya Mandir, Uttarkashi



Maharishi Vidya Mandir, Uttarkashi



Maharishi Vidya Mandir, Amarpatan



Maharishi Vidya Mandir, Trilanga Bhopal



Maharishi Vidya Mandir, Saleemnabad



Maharishi Vidya Mandir, Saleemnabad



Maharishi Vidya Mandir, Haldwani



Maharishi Vidya Mandir, Haldwani



Maharishi Vidya Mandir, Sagar



Maharishi Vidya Mandir, Sagar



Maharishi Vidya Mandir, Haridwar



Maharishi Vidya Mandir, Haridwar



Following the foot-steps of His Holiness Maharishi Ji..... **Maharishi Parikrama**

It is a matter of great pride that great son and saint of India, His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji was greatest scientist of consciousness in the world. He was born at Panduka, a village in Rajim district of Chhattisgarh (part of erstwhile Madhya Pradesh). His early and higher education was in and around Jabalpur and Prayagraj respectively.

He placed ancient Indian Vedic Knowledge before the whole world in simple and understandable language. For this he travelled widely through various parts of the country and rest of the world. These places are considered as sacred and pious for all the citizens of this great country Bharat and the World.



To facilitate visiting of these places, holistic tour plans were developed for visiting these places coupled with visits to other places of historic and spiritual importance with the inventiveness of Hon'ble Chairman, Brahmachari Girish Ji. The individual tour plan of this holistic program has been titled as "Maharishi Parikrama. The first-ever Maharishi

Parikrama was scheduled from Raipur to Jabalpur from 21st to 28th December 2024. 20 privileged members of Maharishi family were part of this 1st Maharishi Parikrama under the leadership of Shri. R.S. Patwari, National Coordinator, MCBE.

On morning of 21st December 2024 all 20 members of Maharishi Parikrama and Shri R.S. Patwari Ji gathered at Raipur. The programme started with Vedic Guru Parampara Poojan at the hotel. The participants were welcomed by Smt. Monika Mishra, Principal MVM-II Raipur with flowers and tilak. Parikrama Coordinator Shri R.S. Patwari Ji briefed the participants about the whole programme



of Maharishi Parikrama which included visit to birth place of Maharishi Ji at Panduka, the holy cave at Amarkantak where Shri Gurudev Brahmanand Saraswati Ji Maharaj did Tapasya, Brahmasthan and Jabalpur where Maharishi Ji and Brahmachari Girish Ji received their education.



At Panduka, all the Parikrama members were delighted as they entered the house where Maharishi Ji was born. They all were emotional and said that “definitely we did some positive work so that we got the opportunity to come at great land of great man. It is mesmerizing movement of our life. His birth on the earth was for salvation of all of us from struggle and tensions”. Their eyes became wet and practically everyone was trying to stop the tears from flowing down.

At Amarkantak, excited Parikrama members marched toward the holy cave. It is 5-6 KM away from the main city of Amarkantak. With joy, we all reached the mountaintop. The slope was too sharp downwards towards the place where the holy cave is situated. By the blessings of Shri Guru Dev and Maharishi Ji, they reached there. All felt the joyful, peaceful and divine presence of “SHRI GURUDEV”. They did Transcendental Meditation there. It was a great experience of life for all and everybody was overwhelmed by the serenity of the cave.



At Brahmsthan, everybody felt the heavenly divine feeling while attending Atirudrabhishek Yagya. It a one of the sacred work carried out by the Maharishi organization that daily 1331 Vedic Pandits perform Atirudrabhishek Yagya for creating Sttava in the collective consciousness and to develop positive influence in the environment, of Bharat and the world. Every Parikrama member was filled with Bliss listening to the Vedic Mantras chanted in unison by 1331 Vedic Pandits glorifying the benevolence of Lord Shiva.

On all eight days, every day programme started with Shri Vedic Guru Parampara Poojan and all members practiced TM-TM-Siddhi program including Yogic Flying in two different group. Also on all the days during evening Maharishi knowledge sessions for about one hour were organized wherein all members gathered to receive nector of Maharishi Ji’s ideas and philosophy by listening to Updeshamarit Pravah. Shri R. S. Patwari also discussed with them about various aspects of Maharishi Ved Vigyan. This all gave them divine feeling

During the course of the journey, the participants also –

1. Attended World Meditation Day function at MVM-I Raipur and visited “Jungal Safari” at Raipur,
2. Visited 7th century’s Rajiv Lochan temple of Lord Vishnu and Kuleshwar Mahadev temple at Rajim (near Raipur) which is Sangam place of three rivers and also known as Prayagraj of Chhattisgarh,
3. Visited origin of river Narmada (at Amarkantak) and with resolution of betterment of Maharishi Organization and all the citizens of the world, they performed “Maa Narmada Aarti”.

4. Have spiritual darshan of Maa Sharda Bhavani at revered temple situated in Maihar.
5. Visited Tropical Forest Research Institute, Samadhi of valiant Rani Durgavati Ji, Mata Tripur Sundari temple at Jabalpur and participated in Aarti of Maa Narmada at Gwarighat bank of river Narmada. The participants were fortunate to have Darshan of Golden Paduka of Lord Shri Rama, which was on the way to Ayodhya. They also visited Bhedaghat near Jabalpur where river Narmada makes beautiful water fall.

At various places of stay, the following dignitaries welcomed and addressed the participants-

- a) Smt. Monika Mishra Principal MVM II Raipur
- b) Smt. Vaishali Seth Principal MVM I Raipur
- c) Shri Atul Shrivastav Incharge Panduka Ashram
- d) Shri Manoj Singh, Principal MVM Maihar
- e) Shri Arvind Singh, Chief Manager, Brahmasthan
- f) Prof. Promod Verma Ji, Hon'ble Vice Chancellor, MMYVV
- g) Shri Rajkumar Shrivastav, Manager, Bijori, Ashram
- h) Shri Rajesh Narula, Principal, MVM-I, Jabalpur



All these dignitaries were honoured by Shri R.S. Patwari Ji with a token of gift from Maharishi Organization for their efforts to make Maharishi Parikrama successful and memorable.



On 28th December 2024, all the members of Maharishi Parikrama group received the blessings of Hon'ble Chairman MVM Schools Group, Brahmachari Girish Ji which made all of them elated. Principal Smt. Sneh Chaturvedi, MVM-V Jabalpur, who was also one of the member of Maharishi Parikrama, her staff and students organized a grand valedictory function. Students presented beautiful dance on spiritual theme. Smt. Sneh Chaturvedi, honoured Parikrama Coordinator Shri R. S. Patwari Ji with memento and shawl. All other members were also honoured by her with shawl & dhoopstick pack. To every member of the group, memento from Maharishi Organization was presented by Shri Patwari Ji. All members shared their experiences of Parikrama and each one of them thanked Brahmachari, Girish Ji for organizing such a wonderful and blissful Maharishi Parikrama.



अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में महर्षि शिविर



दिनांक 17 से 23 दिसम्बर 2024 तक मध्यप्रदेश राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ द्वारा भोपाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वन मेला 2024 में महर्षि शिविर आकर्षण का केन्द्र रहा। अंतर्राष्ट्रीय वन मेले के आयोजन पर महर्षि संस्थाओं के अध्यक्ष ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अपने संदेश में कहा कि महर्षि महेश योगी जी ने 'हेयम् दुखम् अनागतम्' अर्थात् जो दुख आया ही नहीं है उसके भी निदान हेतु हम सभी को भावातीत ध्यान, महर्षि आयुर्वेद, महर्षि ज्योतिष, यज्ञ अनुष्ठान, स्थापत्य वेद की तकनीकों से परिचित कराया है। उन्होंने अनुरोध किया कि हम सभी इन तकनीकों का लाभ उठाकर अपना जीवन सुखी और शान्तिमय बना सकते हैं।

इस अवसर पर ब्रह्मचारी गिरीश जी ने कहा कि हमारे संगठन के 'महा नेचर' और 'महा हर्बल' द्वारा निर्मित सभी उत्पाद पूरी तरह से शुद्ध और स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं। ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में अन्य स्टालों का भ्रमण कर उनमें विक्रय की जा रही विभिन्न सामग्रियों के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं अंतर्राष्ट्रीय वन मेला आयोजित करने के लिए राज्य सरकार की भी प्रशंसा की।

महर्षि शिविर में महर्षि हर्बल्स फार्मोसी रिसर्च सेंटर, महा नेचर प्राइवेट लिमिटेड, महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह, महर्षि किड्स होम, महर्षि इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, महर्षि खादी एवं ग्रामोद्योग, महर्षि कौशल विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान, महर्षि आयुर्वेद, महर्षि वैदिक स्वास्थ्य केन्द्र, महर्षि ज्योतिष, महामीडिया मासिक पत्रिका, महर्षि ब्लिस मील्स आदि के बारे में जानने हेतु उत्सुक हजारों व्यक्तियों ने शिविर का भ्रमण किया। शिविर में अनुभवी वैद्यों द्वारा महर्षि आयुर्वेद के सिद्धांतों के आधार पर कई व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। साथ ही महर्षि ज्योतिष शास्त्र के विद्वानों द्वारा शिविर में पधारे व्यक्तियों को उनकी जन्म कुंडली के आधार पर भविष्य में किये जाने वाले यज्ञानुष्ठान बतलाये गये।

श्री व्ही. आर. खरे निदेशक संचार एवं जनसम्पर्क महर्षि शैक्षणिक संस्थान समूह ने शिविर में पधारे हुये व्यक्तियों को भावातीत ध्यान एवं सिद्धि कार्यक्रम के विषय में विस्तार से जानकारी दी एवं इसके नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों के बारे में बतलाया। साथ ही उन्होंने उपस्थितजनों को और अधिक जानकारी या परामर्श हेतु महर्षि संस्थान के लाम्बाखेड़ा एवं एम.पी.नगर स्थित राष्ट्रीय स्तर के कार्यालयों में संपर्क करने का अनुरोध भी किया।

अंतर्राष्ट्रीय वन मेले में महर्षि शिविर का चित्रमय दर्शन





Brahmachari Girish Ji reviewed the preparations for Maha Kumbh 2025

given by His Holiness Maharishi Mahesh Yogi Ji. He further said that Vedic Pundits are the only ones who can create an invincible armour of positivity and can stop all negativity from rising. Pundits assured him that they will do their best to abide by the guidelines given by Maharishi Ji and reminded by Girish Ji. He also visited Maharishi Smarak and reviewed the work of completion of Smarak.

Brahmachari Girish Ji, Hon'ble Chairman Maharishi Educational Institutions Group visited Maharishi Ashram, Prayagraj to review the preparation of Maha Kumbh 2025.

After Guru Parampara Pujan and chanting of Shanti Paath, Maharishi Vedic Pundits welcomed and honoured Brahmachari Ji with tilak, shawl and garland.



Brahmachari Ji addressed all pundits and reminded them importance of regular practice of TM, TM-Siddhi programme and Yogic Flying and Trikal Sandhya. Brahmachari Girish Ji also mentioned about internal and external purification in life. He praised Vedic pundit's expertise and responsibility to create dominating influence of coherence in collective consciousness of the world through regular practice of Yoga and performance of Yagyas as per the programme



ब्रह्मचारी गिरीश जी की श्री कैलाशानंद गिरि जी महाराज से भेंट



तीर्थराज प्रयाग में ब्रह्मचारी गिरीश जी ने निरंजन अखाड़े के पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री कैलाशानंद गिरि जी महाराज से भेंट की और उन्हें कुंभ मेले में महर्षि आश्रम, संगमतट अरैल, प्रयागराज में आमंत्रित किया। इस अवसर पर स्वामी श्री अभिरामाचार्य जी भी उपस्थित थे।

ब्रह्मचारी गिरीश जी ने शंकराचार्य महाराज जी से आशीर्वाद प्राप्त किया



ब्रह्मचारी गिरीश जी ने अनंत श्री विभूषित ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगतगुरु स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती जी महाराज, शंकराचार्य बद्रीकाश्रम हिमालय से भेंट कर उनका दिव्य और दयालु आशीर्वाद प्राप्त किया और साथ ही उन्हें महर्षि संस्थान द्वारा प्रकाशित वैदिक एवं ज्योतिष गणनाओं पर आधारित महर्षि पंचाग एवं टैबल कैलेंडर भी भेंट किये।

Academic & Co-curricular events of Maharishi Vidya Mandir Schools

Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj

The annual function was organized with great enthusiasm in Maharishi Vidya Mandir, Naini Prayagraj. On this occasion, the junior students gave wonderful presentations.



Maharishi Vidya Mandir, Jammu

Jammu Kashmir Sanskaran Manch organised 'Drug Awareness and Education Symposium' Programme at Maharishi Vidya Mandir Jammu.



Maharishi Vidya Mandir, Shahdol

Maharishi Vidya Mandir Shahdol celebrated its 25th Silver Jubilee. The guests of honour for the event were Vice-Chancellor Professor Shri Ram Shankar, Commissioner, Shahdol, Smt. Surabhi Gupta and Collector Shri Kedar Singh. The student performances received tremendous appreciation.



Maharishi Vidya Mandir, Fatehpur

National Mathematics Day was celebrated at Maharishi Vidya Mandir Fatehpur. Shri P. K. Tripathi, Jail Superintendent of Fatehpur was the chief guest.



Annual Sports Meet

Maharishi Vidya Mandir Senior Secondary School Fatehpur organised grand three-day Annual Sports Meet. The event was attended by Shri R. K. Singh, DIOS, Shri R. K. Maurya, Chairman Nagar Palika and Shri Pradeep Garg, State President, Adarsh Vyapar Mandal, along with other dignitaries. Highlights included captivating performances by nursery and primary students, physical exercises, and exciting sports competitions in basketball, skating, and volleyball.



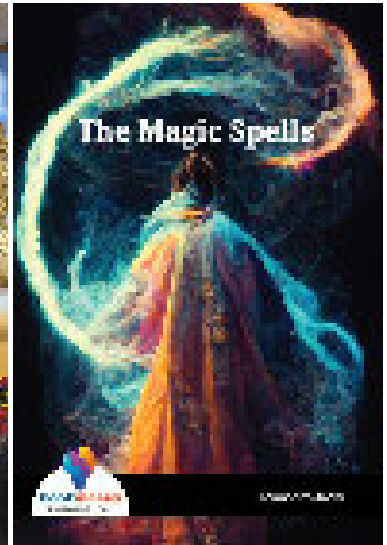
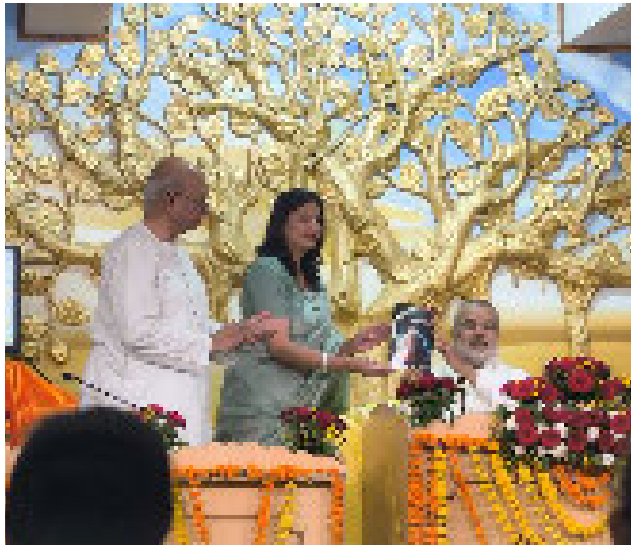
Maharishi Vidya Mandir, Hyderabad



Kumari Lahari Sistla, student of class XII (2024-25 session) of Maharishi Vidya Mandir Hyderabad cleared the CLAT (Common Law Admission Test) examination and secured rank 359.

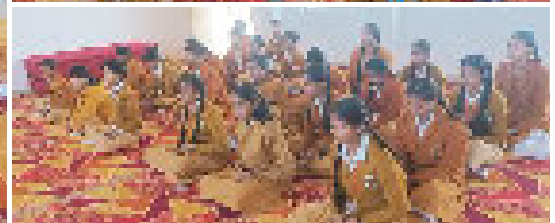
महर्षि विद्या मन्दिर, भवाली

महर्षि विद्या मंदिर भवाली के कक्षा 6 के छात्र मास्टर सक्षम जोशी ने पुस्तक लेखन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है। मास्टर सक्षम द्वारा लिखित कहानियों का संग्रह 'द मैजिक स्पेल्स' के नाम से प्रकाशित हुई है। यह पुस्तक ऑनलाइन शॉपिंग स्टोर पर भी उपलब्ध है। मास्टर सक्षम के माता-पिता ने इसका श्रेय महर्षि विद्या मन्दिर भवाली के गुरुजनों को दिया। महर्षि विद्या मन्दिर की प्राचार्या श्रीमती साधना जोशी जी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुये कहा कि जल्द ही उनकी दूसरी किताब भी प्रकाशित होने वाली है।



Maharishi Vidya Mandir, Rewa

Students of Maharishi Vidya Mandir Rewa practising Transcendental Meditation.



Maharishi Centre For Educational Excellence, Bhopal

Students of Maharishi Centre for Educational Excellence, Bhopal secured first position in the inter-school quiz competition organised by Mittal Group of Institutions on 6 December 2024. Students participated in this competition under the guidance of Smt. Sunita Rai, PGT Chemistry and MCEE Bhopal.



Maharishi Vidya Mandir, Chhatarpur



Kumari Sakshi Sharma, class-X and Kumari Anamika Pathak, class-XII of Maharishi Vidya Mandir Chhatarpur secured top positions in 'Shrimad Bhagavad Gita Mahotsav-2024' organised at district level by the Madhya Pradesh Government and ISKCON. Both the students were given certificates and cash prizes of Rs. 2500/- each by Hon'ble Chief Minister Madhya Pradesh Dr. Mohan Yadav. Also, they will represent their district in the state level competition to be held in Ujjain.

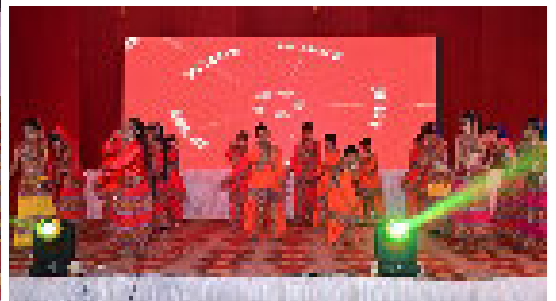
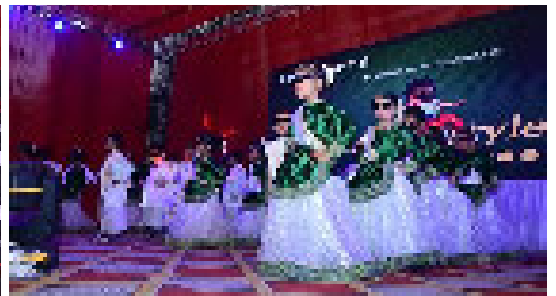
Students of MVM Chhatarpur visited Archaeological Museum



Students of class VII of Maharishi Vidya Mandir, Chhatarpur embarked on an educational tour to Dhubela, where they explored the archaeological museum and visited the iconic statue of Maharaja Chhatrasal.

Maharishi Vidya Mandir-V, Jabalpur

Annual Cultural Meet-2024 was successfully organised at Maharishi Vidya Mandir, Vijaynagar Jabalpur. Shri Jagat Bahadur Singh Ji, Mayor of Jabalpur & Shri Neeraj Singh Ji, MLA, Bargi, were the chief guest & guest of honour. Overwhelming response of the people & parents was registered. Principal Smt. Sneh Chaturvedi motivated the parents to learn and practice Transcendental Meditation regularly for 15-20 minutes twice a day.



Annual Sports Day MKH Ayodhya Nagar, Bhopal



Maharishi Vidya Mandir, Bhandara



Smt. Shruti Ohale, Principal Maharishi Vidya Mandir Bhandara met CBSE Chairperson Shri Rahul Singh, IAS at National Sahodaya event held at Kolkata and presented 'Ojasvi Sampurna Swasthya Nideshika' book written by Vaidya Madhusudan Pandey Ji, Director Multispeciality Ayurved Health Awareness (MAHA) Centre of which the forewords are written by Hon'ble Chairman Maharishi Vidya Mandirs Schools Group, Brahmachari Girish Ji.

Scout Guide Parade, MVM Bhandara



E-Gyan Digital Newsletter

Dear Readers,

We are very pleased to release 187th Edition of E-Gyan Monthly Digital Newsletter. All previous editions of E-Gyan Monthly Newsletter have been sent to you through e-mails. In every edition of E-Gyan, we are requesting you to send related information of your field. The response has been good but not total. We want to have information from all of our India's Maharishi organisations so that the students and others get proper encouragement when they find themselves on the E-Gyan pages.

E-Gyan Monthly News Letter is released in the first week of every calendar month. You must send E-Gyan matters so that they are received by us before 15th of every month. E-Gyan Monthly Digital News Letter is circulated to all members, employees, well-wishers, students, millions of Meditators, Siddhas, Devotees of Maharishi Global Organisations around the globe and people's representative and other members of the civil societies.

E-Gyan Monthly News Letter contains the following:

1. Courses currently run by Maharishi schools/colleges/institutions and universities.
2. Information on any new course/programme added in Maharishi schools/colleges/institutions and universities with its schedule, course details and venue.
3. Starting of new building construction, report on Bhumi puja or vastu puja or foundation stone ceremony.
4. Inauguration or graha pravesh or public offering of new building.
5. Special achievement of any Maharishi Organisation.
6. Special achievement of Staff or faculty of any Maharishi Educational Institution.
7. Special achievements or award received by Students in the field of academics, sports, arts, music, culture, language, general knowledge, quiz, talent search or any other competition on district, state, national and international level.
8. Report on NCC, NSS, Scouts, Adventure programme/trip.
9. High-level placement of graduates in national, international or multinational organisations/corporations.
10. Outstanding performance of ex-students of Maharishi Educational Institutions.
11. Publication of any paper by Faculty, Students, Staff, research department or organisation.
12. News coverage in local, state, national level newspapers, TV, radio, web site.
13. Selection of students in civil services, IIM, IIT, PMT, IIT, NDA, IMA, IFS, IRS, Armed Force or in any other institution of national importance.
14. List of outstanding government or private special projects taken by the organisation.
15. Launching of new product or programme with details, availability, and price.
16. Details of products already in market.

17. Creative writings on different topics, such as cultural/social and historical issues.
18. Offering Vedic solution to any social problem.
19. Performance of any special Anushthan or Yagyas.
20. Vedic celebration reports.
21. Excursion tour reports.
22. Corporate visit, corporate training etc.
23. Visit of national and international dignitaries and their remarks.
24. Appreciation, recognition or awards received by Maharishi Organisations.
25. Report on academic or commercial collaborations.
26. Report on Maharishi Vedic Organic Agriculture.
27. Report on monthly Initiations in TM, Siddhi course and Advance Techniques.
28. Report on activities of Maharishi Global Movement.
29. Report on any other similar subject or area, which is not covered here but worth reporting.

We invite news, articles and reports from all Maharishi Organisations, their leaders, members, faculty, staff, students and all readers. Please note that all news reports must be authentic, original, true and correct. The writers of articles should send a note that the article is their original article.

Please also note that all contents should be sent in soft copy through e-mail (cpr@mssmail.org) as word document file or in a PEN Drive to Shri V. R. Khare, Director CPR, Maharishi Vidya Mandir Schools Group, MCEE Campus, Building No-5, Lambakheda, Berasia Road, Bhopal, Madhya Pradesh, PIN 462038). Hard copy should be neatly typed (“Times New Roman” font for English and “Devnagri” or “Chanakya” font for Hindi) and should be sent to above-mentioned address. High quality/resolution pictures and graphics will be very useful to make your report better looking and will be much interesting for readers. Editorial Board of E-Gyan Monthly News Letter will not be responsible for any copyright issues of reports.

Once a matter of false reporting comes to the Board, E-Gyan Monthly Newsletter will never publish reports of the sender in future and will inform it’s readers about this.

Please recommend all your friends and relatives to subscribe E-Gyan Monthly Digital News Letter and to visit web site www.e-gyaan.net.

With All the Best Wishes
Jai Guru Dev, Jai Maharishi

V. R. Khare
For Editorial Board,
E-Gyan Monthly Digital Newsletter

Copyright © 2024 by Maharishi Ved Vigyan Prakashan

All rights reserved. No part of E-Gyan Monthly Digital News Letter may be reproduced, distributed, or transmitted in any form or by any means, including Photocopying, recording, or other electronic or mechanical methods, without the prior written permission of Maharishi Ved Vigyan Prakashan.
Maharishi Ved Vigyan Prakashan, Chhan, Bhojpur Temple Road, Post - Misrod, Bhopal, Madhya Pradesh, Phone: +91 755 4087351